103

303(HQ)

2025

संस्कृत

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. अधोलिखित गद्य खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत में दीजिए : 5 × 2 = 10

गते च तस्मिन् गन्धर्वराजपुत्री, विसृज्य सकलं सखीजनम् परिजनं च प्रासादम् आरुरोह। तत्र च शयनीये निपत्य एकाकिनी एवं चिन्तयामास – "अहो ! किमिदम् आरब्धं चपलया मया। न परिक्षिता अस्य चित्तवृत्तिः। परित्यक्तः कुलकन्यकानां क्रमः। गुरुजनात् न त्रस्तम्। लोकापवादात् नोद्विग्नम्। आसन्नवर्ती सखीजनोऽपि उपलक्षयतीति मन्दया मया न लक्षितम्। तथा महाश्वेताव्यतिकरेण प्रतिज्ञा कृता श्रुत्वैतं वृत्तान्तं किं वक्ष्यति अम्बा तातो वा ? किं करोमि ? कनोपायेन स्खलितम् इदं प्रच्छादयामि ? पूर्वकृतापुण्यसंचयेनैवायम् आनीतो मम विप्रलम्भकः चन्द्रापीडः" इति संचिन्त्य गुर्वीम् लज्जाम् उवाह।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पुस्तक से लिया गया है ?

(ii) "आसन्नवर्ती, सखीजनोऽपि उपलक्षयतीति मन्दया न लक्षितम्।" रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iii) गन्धर्वराजपुत्री, विसृज्य सकलं सखीजनं परिजनं च कुत्र आरुरोह ?

(iv) 'विप्रलम्भकः' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(v) 'शयनीये' में कौन सी विभक्ति है ?

अथवा

अथ क्रीडापर्वतकस्य प्राग्भागे मनोहारिणि मरकतशिलातले समुपविष्टः दृष्टवान् महतीव धवलेनालोकेन विलिप्यमानम् अम्बरतलम् अद्राक्षीच्च मदलेखाम् आगच्छन्तीम् तस्याश्च पृष्ठे गृहीतकञ्चुका तथा च सितांशुकोपच्छदे पटलके गृहीत शरच्चन्द्रशिनम् इव प्रभ-वर्षिणम् अतितारां हारम् । दृष्ट्वा च इदम् अस्य धवलिम्नः कारणम् इति निश्चित्य, प्रत्युत्थानादिना समुचितेन उपचारेण मदलेखां प्रति जग्राह ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पुस्तक से लिया गया है ?

(ii) कः मदलेखां प्रति जग्राह ?

(iii) अथ क्रीडापर्वतकस्य प्राग्भागे मनोहारिणि मरकतशिलातले समुपविष्टः दृष्टवान् रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए ।

(iv) 'अतितारम्' का शाब्दिक अर्थ लिखिए ।

(v) 'क्रीडापर्वतकस्य' यहाँ कौन सी विभक्ति एवं वचन है ?

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र-चित्रण कीजिए : (अधिकतम 100 शब्द) 4

(i) पत्रलेखा

(ii) वैशम्पायन

(iii) महाश्वेता

3. बाणभट्ट के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनके कृतियों की विवेचना कीजिए : (अधिकतम 100 शब्द) 4

4. (अ) मदलेखा केन दृष्टा ? 1

(i) चन्द्रापीडेन

(ii) वैशम्पायनेन

(iii) तारापीडेन

(iv) चित्ररथेन

(आ) महाश्वेताया: माता का आसीत् ? 1

(i) पत्रलेखा (ii) गौरी

(iii) मदिरा (iv) विलासवती

अधोलिखित में से किसी **एक** श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(अ) एतावदुक्त्वा विरते मृगेन्द्रे प्रतिस्वनेनास्य गुहागतेन ।

शिलोच्चयोऽपि क्षितिपालमुच्चै: प्रीत्या तमेवार्थमभाषतेव ।।

(आ) पुरन्दरश्री: पुरमुत्पताकं प्रविश्य पौरैरभिनन्द्यमान: ।

भुजे भुजङ्गेन्द्रसमानसारे भूय: स भूमेर्धुरमासज्ज ।

6. **अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए :** **2 + 5 = 7**

(अ) एकातपत्रं जगत: प्रभुत्वं, नवं वय: कान्तमिदं वपुश्च ।

अल्पस्य हेतो: बहु हातुमिच्छन् विचारमूढ: प्रतिभासि मे त्वम् ।।

(आ) तस्मिन क्षणे पालयितु: प्रजानाम् उत्पश्यत: सिंहनिपातमुग्रम् ।

अवाङ्मुखस्योपरि पुष्पवृष्टि: पपात विद्याधरहस्तमुक्ता ।।

7. कालिदास का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए कालिदास की काव्यशैली की विवेचना कीजिए ।

(अधिकतम **100** शब्द) **4**

8. (अ) महाराज-दिलीपस्य भार्या का ? 1

(i) सुदक्षिणा (ii) भानुमती

(iii) इन्दुमती (iv) सविता

(आ) नन्दिनी कस्य धेनुः आसीत् ? 1

(i) विशिष्ठस्य (ii) दिलीपस्य

(iii) विश्वामित्रस्य (iv) कण्वस्य

9. अधोलिखित में से किसी **एक** अंश की हिन्दी में सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(अ) उद्गलित-दर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः ।

अपसृत पाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः ।।

(आ) शममेष्यति मम शोकः कथं नु वत्से त्वया रचितपूर्वम् ।

उटजद्वारविरुढं नीवारबलिं विलोकयतः ।।

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए : **2 + 5 = 7**

(i) स्नेहप्रवृत्तिरेवं दर्शिनी

(ii) गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति ।

(iii) अतिस्नेहः पापशंकी

11. कालिदास की कृतियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का सारांश लिखिए :

(अधिकतम **100** शब्द) 4

12. (अ) कालिदास की रचना नहीं है 1

(i) स्वप्नवासवदत्तम् (ii) विक्रमोर्वशीयम्

(iii) मालविकाग्निमित्रम् (iv) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(आ) 'शिवास्ते पन्थानः सन्तु' इति शुभकामनां प्रकटितवान् । 1

(i) काश्यपः (ii) मारीचः

(iii) गौतमी (iv) शिष्यः

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों का संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 10

(i) पर्यावरण-सुरक्षा (ii) श्रम एव विजयते

(iii) जनसंख्या समस्या (iv) यातायात-सुरक्षा

14. 'उपमा' अलंकार की परिभाषा हिन्दी या संस्कृत में लिखिए । 2

अथवा

'रूपक' अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 × 4 = 8

(i) हम दोनों खाना खाते हैं ।

(ii) तुम लोग राम और श्याम पढ़ते हो ।

(iii) मोहन कुर्सी पर बैठता है ।

(iv) विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं ।

(v) वह बड़े भाई से ईर्ष्या करता है ।

(vi) वह पिता से पढ़ता है ।

16. (अ) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में नियम-निर्देश का उल्लेख कीजिए : 2

(i) अहं प्रयागराजे पठामि ।

(ii) सः सर्पात् बिभेति ।

(iii) वृक्षात् पत्रं पतति ।

(आ) 'राज्ञे स्वस्ति' में रेखांकित पद में कौन सी विभक्ति है ? 1

(i) चतुर्थी (ii) पंचमी

(iii) षष्ठी (iv) सप्तमी

17. (अ) निम्नलिखित पदों में से किसी **एक** में विग्रह कीजिए : 2

(i) अनुज्येष्ठम्

(ii) द्वियमुनम्

(iii) रामसीते

(आ) 'नवरात्रम्' में प्रयुक्त समास है – 1

(i) द्वन्द्वः (ii) द्विगुः

(iii) अव्ययीभाव: (iv) कर्मधारय:

18. (अ) 'गुरोर्धनम्' का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए । 2

(आ) 'उड्डयनम्' का सन्धि-विच्छेद है 1

(i) उड् + अयनम् (ii) उद् + उयनम्

(iii) उद्य् + अयनम् (iv) उत् + डयनम्

19. (अ) 'वारिणे' पद वारि प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है ? 2

(आ) 'नामनी' पद नामन् प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है ? 1

(i) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन (ii) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(iii) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन (iv) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

20. (अ) 'नेष्यथ:' क्रियापद का पुरुष और वचन लिखिए । 2

(आ) 'नी' धातु के लङ् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप होगा । 1

(i) अनय: (ii) अनयत्

(iii) अनयन (iv) अनयम्

21. (अ) 'हात्वा' पद में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय बताइए । 2

(आ) 'नी' धातु से तुमुन् प्रत्यय लगाने पर शब्द बनेगा – 1

(i) नेतुम् (ii) नीतुम्

(iii) नयितव्यम् (iv) नीत्वा

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का वाच्य परिवर्तन कीजिए : 2

(i) स: पुस्तकं पठति ।

(ii) राम: शेते ।

(iii) छात्रा: हसन्ति ।